श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट

श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट समाज का महत्वपूर्ण न्यास है, जिसके द्वारा समाज के प्रतिभाशाली छात्रों को जिनके पास अपर्याप्त साधन है, सहायता दी जाती है। इस छात्रवृत्ति का विद्यार्थियों को तथा उनके परिवार को बड़ा आधार प्राप्त होता है। साथ-साथ समाज के जरूरतमंद भाई-बहनों को विशेषतः असहाय विधवा बहनों को भी मदद की जाती है। यह मासिक रूप में होती है। इन बहनों के जीवन-यापन के लिए यह सहायता बहुत काम आती है। देश-परदेश में तंत्र शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को अधिक मात्रा में छात्रवृत्ति दी जाती है। इस ऋण छात्रवृत्ति ने अनेक विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन किया है और वे आज वे यश के शिखर पर हैं। इस सुविधा को अभी ब्याज सहायता के रूप में परिवर्तित किया गया है। ट्रस्ट उच्च शिक्षा पर १/४ ब्याज सहायता देता है।

ट्रस्ट की स्थापना

इस ट्रस्ट की स्थापना सन् १९६१ में हुई। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के दिल्ली में आयोजित अधिवेशन में ऐसा विचार हुआ कि समाजोत्थान की कोई ठोस योजना बनाई जाये जिससे समाज के असमर्थ लोगों को सुदृढ़ बनाने में आर्थिक सहयोग किया जाये। अधिवेशन में कोष स्थापित करने का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ और इस कोष को माहेश्वरी समाज की श्रेष्ठ विभूति स्व. श्री कृष्णदास जी जाजू स्मृतिप्रीत्यर्थ ''श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट'' का नाम दिया गया।

वितरण की नीति तथा प्रक्रिया

ट्रस्ट के अन्तर्गत यह नीति अपनाई गई है कि जिस प्रदेश द्वारा जितना धन संग्रह हुआ हो उसका १० प्रतिशत वितरण उसी प्रदेश में प्रतिवर्ष होगा, लेकिन कोई प्रदेश निर्धारित राशि से अधिक राशि की सहायता लेते हैं। उन प्रदेशों का यह दायित्व हो जाता है कि जाजू स्मारक ट्रस्ट के लिए अधिक धनराशि एकत्रित करें। छात्रवृत्ति एवं सहायताओं के लिए जिला समिति की सिफारिश एवं प्रदेश समिति तथा प्रदेश के संयोजक नियुक्त किये जाते हैं। ट्रस्ट द्वारा विधवा सहायता ३ वर्ष के लिए स्वीकृत की जाती है एवं आवश्यकता लगने पर आगे भी बढ़ाई जाती है।

ट्रस्ट का प्रधान कार्यालय

श्रीकृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट
P-16, New C.I.T. Road,
(Ground Floor)
KOLKATA-700073

जाजू ट्रस्ट के विषय में कोई भी जानकारी उपरोक्त कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।